बल → बल एक ऐसी क्रिया है जो किसी वस्तु की अवस्था में परिवर्तन लाती है या लाने की चेष्टा करती है
बल का S.I मात्रक N (न्यूटन) है।

न्यूटन गति का प्रथम नियम → प्रत्येक वस्तु स्थिर या एक समान गति की अवस्था तब तक बनी रहती है जब तक कि उस पर कोई बाहरी बल कार्य न करें।

* न्यूटन गति के प्रथम नियम को जड़त्व का नियम भी कहते हैं।

न्यूटन गति का द्वितीय नियम :→ किसी भी वस्तु के संवेग में परिवर्तन की दर उसपर लगाये बल के समानुपाती होती है। तथा संवेग में परिवर्तन की दिशा वही होती है जो बल की दिशा होती है।

न्यूटन गति का तृतीय नियम :- प्रत्येक क्रिया के बराबर तथा उसके विपरित दिशा में प्रतिक्रिया होती है।

संवेग संरक्षण का सिद्धांत :- किसी वस्तु पर अगर कोई बाहरी बल कार्य नही कर रहा हो तो प्रारम्भिक संवेग एवं अंतिम संवेग बराबर होता है।